

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

नेपाल में जलप्रलय

मौत का आंकड़ा 392 पहुंचा, 1,468 लोग अब भी लापता

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

काठमांडू। नेपाल और तिब्बत सीमा क्षेत्र में आई भीषण फ्लैश फ्लड ने भारी तबाही मचा दी है। ताजा आंकड़ों के अनुसार आपदा में 392 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 1,468 लोग अब भी लापता हैं। इनमें नेपाल में 910 और तिब्बत में 558 लोगों के लापता होने की सूचना है। इस त्रासदी में 290 भारतीय नागरिकों से भी संपर्क नहीं हो पा रहा है, जिससे भारत में उनके परिजनों की चिंता बढ़ गई है। भारतीय अधिकारियों के अनुसार कई भारतीयों को सुरक्षित निकाला भी गया है और नेपाल में फंसे नागरिकों की तलाश के लिए लगातार समन्वय किया जा रहा है। बाढ़ ने सड़क, पुल, घर और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई प्रभावित इलाकों में संपर्क टूट जाने से राहत और बचाव दलों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।



फिर मंडरा रहा नई बाढ़ का खतरा

हालात अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं हुए हैं। भोटे कोशी नदी क्षेत्र में मलबे से बनी एक झील में पानी बढ़ने की खबर है। इसके टूटने की स्थिति में नीचे के इलाकों में एक और विनाशकारी बाढ़ का खतरा पैदा हो सकता है। अधिकारियों ने नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। नेपाल में राहत अभियान जारी है, लेकिन हजारों परिवार अब भी अपनों की खबर का इंतजार कर रहे हैं। आंकड़े बदलने की संभावना भी बनी हुई है क्योंकि दुर्गम इलाकों में खोज अभियान अभी जारी है।

नेपाल के पीएम बालेन्द्र शाह का पहला विदेश दौरा भारत होगा!

बाढ़ के बीच वित्त मंत्री का बड़ा ऐलान

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के पहले विदेश दौरे को लेकर चल रही अटकलों पर अब बड़ा संकेत मिला है। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले ने कहा है कि उन्हें पूरा भरोसा है कि प्रधानमंत्री शाह की पहली विदेश यात्रा भारत की होगी। हालांकि यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। वित्त मंत्री ने उम्मीद जताई कि यह दौरा इस साल के अंत से पहले हो सकता है। शाह के विदेश दौरे को लेकर पिछले कई महीनों से असमंजस बना हुआ था। भारत और चीन दोनों ने उन्हें अपने-अपने देशों की यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। अगस्त में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने भी प्रधानमंत्री शाह को भारत आने का निमंत्रण दोहराया था। शाह ने उस समय कहा था कि वह उचित समय पर भारत की यात्रा करेंगे, लेकिन कोई तारीख घोषित नहीं की थी।



भारत ने राहत सामग्री भी भेजी है और बचाव प्रयासों में सहयोग कर रहा है

सवाल सिर्फ दौरे की तारीख का नहीं है। शाह की भारत यात्रा नेपाल की नई सरकार की विदेश नीति का महत्वपूर्ण संकेत भी मानी जाएगी।

मराठी भाषा पर महायुति में फिर बड़ी तकरार

फडणवीस के फैसले से नाराज हुए एकनाथ शिंदे

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भीतर एक बार फिर खींचतान सामने आई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच गैर-मराठी ऑटो-टैक्सी चालकों को मराठी भाषा सीखने के नियम को लेकर मतभेद बढ़ गए हैं। इस मुद्दे पर शिंदे गुट के कुछ मंत्री मुख्यमंत्री के फैसले से नाराज बताए जा रहे हैं।

उनका कहना है कि...

जब किसी मुद्दे पर कैबिनेट में चर्चा होती है तो सभी मंत्रियों की राय को महत्व दिया जाना चाहिए। विवाद की शुरुआत ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा सीखने की समय सीमा को लेकर हुई। सरकार की ओर से गैर-मराठी और हिंदी भाषी ऑटो-टैक्सी चालकों को मराठी सीखने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था। सरकार का तर्क था कि महाराष्ट्र में काम करने वाले वाहन चालकों को स्थानीय भाषा का सामान्य ज्ञान होना चाहिए, ताकि यात्रियों के साथ संवाद करने में परेशानी न हो। हालांकि, ऑटो-टैक्सी चालकों के



संगठनों ने तीन महीने की समय सीमा को बहुत कम बताया और इसका विरोध शुरू कर दिया।

ऑटो-टैक्सी संघों ने इस फैसले के विरोध में बंद का ऐलान भी किया। उनका कहना था कि बड़ी संख्या में चालक दूसरे राज्यों से महाराष्ट्र में आकर रोजगार कर रहे हैं और अचानक कम

समय में मराठी सीखने का नियम लागू करना उनके लिए मुश्किल होगा। संगठनों ने सरकार से इस मामले में व्यावहारिक और पर्याप्त समय देने की मांग की। इसी बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना कोटे के मंत्री की ओर से लिए गए फैसले में बदलाव कर दिया।

बताया जा रहा है कि...

इसी को लेकर एकनाथ शिंदे गुट में नाराजगी बढ़ी है। शिंदे गुट के नेताओं का सवाल है कि यदि मुख्यमंत्री को अपने स्तर पर ही फैसले बदलने हैं, तो फिर कैबिनेट बैठकों और मंत्रियों की सामूहिक चर्चा का क्या मतलब रह जाता है। शिंदे गुट के नेताओं का यह भी कहना है कि सरकार में लिए जाने वाले फैसलों में सहयोगी दलों को विश्वास में लेना जरूरी है। उनका आरोप है कि पहले भी कई मौकों पर मुख्यमंत्री की ओर से ऐसे फैसले लिए गए हैं, जिनमें सहयोगी मंत्रियों को पूरी तरह विश्वास में नहीं लिया गया। हालांकि, यह विवाद केवल भाषा के नियम तक सीमित नहीं माना जा रहा है। महाराष्ट्र की महायुति सरकार में बीजेपी और शिवसेना के बीच सत्ता और फैसलों को लेकर समय-समय पर मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में मराठी भाषा का मुद्दा दोनों दलों के बीच राजनीतिक संतुलन की परीक्षा भी बन गया है। अब नजर इस बात पर है कि सरकार इस विवाद को किस तरह सुलझाती है और ऑटो-टैक्सी चालकों के लिए मराठी सीखने की समय सीमा में कोई बदलाव किया जाता है या नहीं।

बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के वक्त विमान का टायर फटा दिल्ली से आए सभी सैंतीस यात्री सुरक्षित, हादसे की वजह से प्रयागराज की फ्लाइट कैंसिल

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर फट गया। शुक्रवार दोपहर एलाइंस की फ्लाइट 91-613 (वीटी-यूडीए) जब दिल्ली से बिलासपुर पहुंची तभी यह हादसा हुआ। विमान को सुरक्षित लैंडिंग करा लिया गया है। विमान में सवार सभी सैंतीस यात्री और चार क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। इसी फ्लाइट को बिलासपुर से प्रयागराज जाना था। लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने उसे कैंसिल कर दिया है। एयरपोर्ट प्रबंधन में जानकारी दी विमान के लेफ्ट साइड का टायर पंचर हुआ था। जानकारी के मुताबिक रनवे पर लैंडिंग के बाद विमान दौड़ रहा था तभी टायर फटने की आवाज सुनकर यात्री दहशत में आ गये। हालांकि पायलट ने स्थिति को संभालते हुए विमान को सुरक्षित रोक लिया। एयरपोर्ट पर मौजूद स्टाफ तुरंत एक्टिव हुआ और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

विमान हादसों से जुड़ी दो घटनाएं 27 जुलाई दुबई मुंबई इंडिगो फ्लाइट



की राजकोट में इमरजेंसी लैंडिंग दुबई से मुंबई आ रही इंडिगो की इंटरनेशनल फ्लाइट को पिछले महीने 27 जुलाई को गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी थी उड़ान के दौरान पायलटों को विमान के निचले कागों फोल्ड में धुआं होने का अलर्ट मिला इसके बाद क्रू ने तुरंत इमरजेंसी घोषित की उड़ान के दौरान पायलटों को विमान के निचले कागों हॉलड में धुआं होने का अलर्ट मिला इसके बाद उन्होंने तुरंत इमरजेंसी घोषित की एतहात के तौर पर रनवे के पास फायर टेंडर और मेडिकल टीमों को तैनात किया गया था। इमरजेंसी रिस्पांस टीमों को अलर्ट रखने के बाद विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। 4 अगस्त एयर इंडिया फ्लाइट

अचानक 300 फीट नीचे आई 17 यात्री घायल थाईलैंड की फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट 4 अगस्त को अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गई थी घटना उड़ीसा के पास हुई 320 की 36 220 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहा था हालांकि बाद में फ्लाइट की दिल्ली में सुरक्षित लैंडिंग हुई घटना में 17 यात्री घायल हुए थे शुरुआत में एयर इंडिया ने घटना को टर्बुलेंस बताया था। बाद में एयरलाइंस ने अपने बयान से टर्बुलेंस शब्द हटा दिया और इसे सिर्फ यात्रा के दौरान अचानक ऊंचाई कम होना बताया। डीजी सीए मामले की जांच कर रहा है हालत अभी यह साफ नहीं है। कि घटना की असली वजह क्या थी- एयर इंडिया फ्लाइट टर्बुलेंस जांच, दावा पायलट का दूसरा ड्रग टेस्ट भी पॉजिटिव थाईलैंड की फुकेट से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट की टर्बुलेंस मामले में आरोपी पायलट का दूसरा ड्रग टेस्टिंग पॉजिटिव आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है। कि पायलट ने गांजा का नशा किया था।

विधायक महेंद्र नागेश ने क्षेत्रवासियों को दी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं भाई बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक है यह पर्व

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

गोटेगांव रक्षाबंधन के पावन पर्व पर स्थानीय विधायक महेंद्र नागेश ने समस्त

को आपसी सौहार्द और पवित्र रिश्तों का प्रतीक बताया है विधायक महेंद्र नागेश ने अपने संदेश में कहा कि रक्षाबंधन केवल सूत का धागा नहीं बल्कि भाई बहन के बीच अटूट विश्वास असीम प्रेम और सुरक्षा के संकल्प का महापर्व है यह त्यौहार हमारी भारतीय संस्कृति की महान परंपरा को दर्शाता है उन्होंने आगे कहा मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि यह पवित्र पर्व आप सभी के जीवन में सुख समृद्धि शांति और खुशहाली लेकर आए हमारे गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में



क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है उन्होंने इस त्यौहार

हमेशा आपसी भाईचारा और प्रेम बना रहे।

ब्लाक कांग्रेस का महंगाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, मोदी सरकार पर साधा निशाना



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

गोटेगांव। कांग्रेस पार्टी द्वारा बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत नगर के राम मंदिर, भगत राम चौराहा से हुई जो नारेबाजी करते हुए फव्वारा चौक पर समाप्त हुई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस, खाद्य तेल महंगी शक्कर और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं जिससे आम आदमी का जीना मुश्किल हो गया है। सरकार महंगाई पर लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम रही है। कांग्रेसियों ने हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर "महंगाई कम करो" के नारे लगाए। फव्वारा चौक पर सभा के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष द्वारका राजपूत गजेंद्र पटेल मीनू राजपूत आरिफ खान सजल सोनी आशीष राय तारिक खान आशीष तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीथमपुर कावड़ हादसे के बाद कॉपर स्क्रेप का बड़ा खुलासा, गुजरात कनेक्शन से बड़ा रहस्य!

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

पीथमपुर। सावन के चौथे सोमवार को कावड़ यात्रियों को रौंदने वाली कार के मामले में पुलिस जांच के दौरान अब एक और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। कार की तलाशी में 240 किलो से अधिक कॉपर की पत्तियां मिलने के बाद मामला सिर्फ सड़क हादसे तक सीमित नहीं रहा, बल्कि कॉपर स्क्रेप चोरी के कथित नेटवर्क तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। पुलिस जांच में सामने आया कि बरामद कॉपर गुजरात के अमरेली से चोरी का माल होने की आशंका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा गुजरात क्राइम ब्रांच से भी संपर्क कर जानकारी जुटाई जा रही है।

सोशल मीडिया मैसेज ने ढाई कहानी की गर्मी

घटना के बाद सोशल मीडिया पर वायरल एक मैसेज ने भी जांच को नया मोड़ दिया। वायरल संदेश में चालक के कथित तौर पर स्क्रेप व्यापारियों से माल बेचने के लिए संपर्क करने की बात कही गई। संदेश में हेमंत शर्मा, लक्की सेनी, फारुख और आबू लाला जैसे नामों का उल्लेख बताया गया है। हालांकि, पुलिस ने इन नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। ऐसे में अब बड़ा सवाल यही है कि वायरल मैसेज में कितनी सच्चाई है और कॉपर आखिर किसके लिए और कहां ले जाया जा रहा था?



पुलिस के सामने कई बड़े सवाल

अब जांच की दिशा कई सवालों की ओर घूम गई है- 240 किलो से ज्यादा कॉपर कार में आया कहां से? क्या यह वाकई अमरेली से चोरी हुआ था? कॉपर को पीथमपुर तक कौन लेकर आया? क्या इसके पीछे कोई संगठित स्क्रेप नेटवर्क काम कर रहा है? और सबसे बड़ा सवाल—क्या कावड़ हादसे में पकड़ी गई कार ने किसी बड़े चोरी के खेल का दरवाजा खोल दिया है? टीआई सुनील शर्मा के मुताबिक मामले में हर एंगल से जांच की जा रही है और गुजरात पुलिस से स्क्रेप के संबंध में जानकारी ली जा रही है। इधर, कार से मिले चोरी के कथित स्क्रेप और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर हिंदू

संगठन के कार्यकर्ताओं ने एसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन भी सौंपा। हिंदू जागरण मंच के धीरेंद्र ठाकुर ने कार से मिले स्क्रेप के मामले में सामने आए नामों की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है।

अब हादसे से आगे पहुंची कहानी!

कावड़ यात्रा में हुआ हादसा पहले ही लोगों को झकझोर चुका था, लेकिन कार से निकला 240 किलो से ज्यादा कॉपर स्क्रेप अब इस पूरे मामले को एक अलग ही मोड़ दे रहा है।

हादसा था या हादसे के पीछे छिपी है चोरी की कोई बड़ी कहानी? फिलहाल पुलिस की जांच जारी है और असली तस्वीर जांच पूरी होने के बाद ही साफ होगी।

पीथमपुर के हिरोले का धार में डंका! कांग्रेस ने सौपी जिले की कमान, अब संगठन की 'बैटिंग' होगी मैदान में

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

पीथमपुर। राजनीति में कब किसका सितारा चमक जाए और कब संगठन की गाड़ी में किसे आगे की सीट मिल जाए, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। लेकिन धार कांग्रेस की नई कार्यकारिणी ने पीथमपुर के डॉ. हेमंत हिरोले को जिला कांग्रेस कमेटी का उपाध्यक्ष बनाकर सियासी चर्चाओं का बाजार जरूर गर्म कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा घोषित नई कार्यकारिणी में हिरोले को मिली जिम्मेदारी के बाद पीथमपुर से लेकर धार तक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच उत्साह नजर आ रहा है। लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हिरोले पहले भी संगठन की अलग-अलग जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। अब जिला स्तर पर जिम्मेदारी मिलने के बाद उनका राजनीतिक दायरा भी बढ़ता दिखाई दे रहा है।



पीथमपुर की गलियों से जिला संगठन की कुर्सी तक-हिरोले की राजनीति का ट्रैक नया नहीं है। संगठन में सक्रियता, कार्यकर्ताओं से संपर्क और क्षेत्र में राजनीतिक भागीदारी के चलते पार्टी ने उन्हें जिला टीम में जगह दी है। अब जिम्मेदारी छोटी-मोटी नहीं—पूरे जिले के संगठन में उपाध्यक्ष की भूमिका!

यानी अब मामला सिर्फ पीथमपुर तक सीमित नहीं रहेगा। पीथमपुर की आवाज धार के संगठन तक और धार का संगठनात्मक संदेश पीथमपुर तक—दोनों तरफ दौड़ लगाने की जिम्मेदारी हिरोले के कंधों पर होगी। आदिवासी समाज में पकड़ मजबूत करने की उम्मीद। कांग्रेस ने हिरोले को जिम्मेदारी ऐसे समय दी है, जब पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कवायद में जुटी है। खासकर आदिवासी समाज के बीच संगठन की पकड़ मजबूत करने में उनकी सक्रियता को अहम माना जा रहा है। अब जिला उपाध्यक्ष की कुर्सी मिल गई है, लेकिन राजनीति में कुर्सी मिलना फर्स्ट हाफ है... असली खेल तो सेकंड हाफ में शुरू होगा। देखना होगा कि डॉ. हिरोले नई जिम्मेदारी को सिर्फ पद तक सीमित रखते हैं या फिर पीथमपुर से धार तक संगठन की सियासी गाड़ी को भी फुल स्पीड में दौड़ाते हैं। कुल मिलाकर कांग्रेस की नई टीम में पीथमपुर का 'हिरोले फैक्टर' जुड़ गया है। अब कार्यकर्ताओं की नजर इस बात पर है कि जिला उपाध्यक्ष की नई पारी में हिरोले कौन-सा नया सियासी छक्का लगाते हैं।

महंगाई के खिलाफ ब्लॉक कांग्रेस देपालपुर का प्रदर्शन,

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

देपालपुर शक्कर, पेट्रोल-डीजल एवं E20, बिजली बिल, गैस सिलेंडर सहित बढ़ती महंगाई के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी देपालपुर द्वारा चमन चौराहा, देपालपुर पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें कांग्रेस जन ने सरकार को जगाने के लिए प्रदर्शन कर सरकार से महंगाई कम करके, जनता को राहत देने की मांग की, इस अवसर पर आमजन को शक्कर बाट कर विरोध दर्ज करवाया गया, इस अवसर पर दुग्ध संघ पूर्व अध्यक्ष मोतिसिंह पटेल, नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष संतोष ठाकुर, पार्षद जितेन्द्र ठाकुर, जिला पंचायत पूर्व सदस्य कृपाराम सोलंकी, जिला कांग्रेस पूर्व महामंत्री मिथलेश जोशी, मंडलम अध्यक्षद्वय आजम खान, देवनारायण चौधरी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस रामचरण दयाल, कांग्रेस नेता, दिलीप खेर, आदि ने सम्बोधित किया, कार्यक्रम मे, महेन्द्र मकवाना, चन्दन बड़वाया, मुंसी



गौड़, सुरेश नागर, अमरसिंह पटेल, मानसिंह नकुम, जितेंद्र बड़वाया, मुकेश चंदेल, निराला डागर, सुमित पटेल, किशोर यादव, इकबाल मंसूरी, अनिल राठोड़, राजेंद्र सोलंकी, मोहन ठाकुर, विनोद चौधरी, संजय यादव, राजेश पटेल, रतनसिंह सोलंकी, गणेश पटेल, मेहरबानसिंह दांगी, अंतरसिंह चावड़ा, देवीसिंग दायमा, हेमसिंह गेहलोत, रईस मंसूरी, विकास

जाधव, मुकेश पछिय्या, राजू जायसवाल, अशोक कौशिक, मुन्ना जागीरदार, विनोद राठौर, गौतम जादव, नरेन्द्रसिंह दरबार, सहित आदि कांग्रेस जन उपस्थित होकर महंगाई के खिलाफ जनआवाज को बुलंद किया, कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया व आभार नगर कांग्रेस अध्यक्ष मजीद खान ने माना।

तीन शक्तियों का होगा महामिलन, नर्मदा घाट पर सजेगी भजन संध्या

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मंडलेश्वर/नगर के नर्मदा घाट पर आगामी 30 अगस्त 2026, रविवार को धर्म एवं भक्ति से ओतप्रोत "तीन शक्तियों का महामिलन" आयोजित किया जाएगा। आयोजन में भगवान काशी विश्वनाथ, भगवान श्री श्याम एवं मां शक्ति पार्वती के भव्य स्वरूप का नौका विहार आकर्षण का केंद्र रहेगा। यह विशेष आयोजन भगवान काशी विश्वनाथ एवं श्री श्याम अलबेली सरकार के पावन सानिध्य में आयोजित होगा। कार्यक्रम के तहत शाम 4 बजे से भव्य अमृत नौका विहार निकाला जाएगा। इसके पश्चात रात्रि 9 बजे से भजन संध्या का शुभारंभ होगा, जिसमें श्रद्धालु भक्तिमय भजनों एवं संगीत का आनंद लेंगे। कार्यक्रम



में श्री श्याम अलबेली सरकार विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयोजकों के अनुसार, तीन शक्तियों के इस महामिलन का उद्देश्य श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति एवं आध्यात्मिक आस्था से जोड़ना है। आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। नर्मदा घाट पर होने वाले इस भव्य धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम का आयोजन श्री श्याम सेवा समिति मंडलेश्वर द्वारा किया जा रहा है। वहीं श्री काशी सेवा समिति एवं धर्म जागरण

मंच मंडलेश्वर की ओर से श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन में सहभागी बनने एवं धर्मलाभ लेने की अपील की गई है।

परसौना मुख्य चौराहे पर मिठाई की दुकानों से लगा जाम, उमड़ा जनसैलाब-यातायात व्यवस्था हुई प्रभावित

सिंगरौली। मुख्यालय से चंद दूरी पर स्थित परसौना तिराहे के पास मिठाई की दुकानों के कारण भारी भीड़ उमड़ने से यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। त्योहार के चलते मिठाई खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग दुकानों पर पहुंचे, जिससे परसौना तिराहे के आसपास वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

सड़क किनारे लगे टेंट और दुकानों



के कारण बढ़ी परेशानी-परसौना क्षेत्र में कई मिठाई दुकानदारों द्वारा सड़क के किनारे टेंट तिरपाल लगाकर रेडीमेड मिठाइयों की बिक्री की जा रही है। दुकानों

के सामने ग्राहकों की भीड़ और वाहनों के रुकने से मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित हुआ। तीनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहनों के कारण तिराहे पर

जाम की स्थिति और गंभीर हो गई।

खाद्य विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल- स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर खुले में टेंट-तिरपाल लगाकर मिठाइयों की बिक्री की जा रही है, लेकिन खाद्य विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई है। लोगों ने मिठाइयों की गुणवत्ता और खुले में खाद्य सामग्री की बिक्री की जांच कराने की मांग की है।

परसौना बना यातायात दबाव का केंद्र

परसौना, बरगवां और माड़ा नगर निगम क्षेत्र के प्रवेश मार्ग पर स्थित होने के कारण यहां पहले से ही वाहनों का दबाव रहता है। त्योहार के दौरान मिठाई की दुकानों पर उमड़ी भीड़ ने समस्या को और बढ़ा दिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दुकानों को व्यवस्थित कराया जाए और यातायात सुचारु रखने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए।

संपादकीय विशेष

दुनिया बदल रही है...।
लेकिन सवाल यह है कि
हम विकास की ओर बढ़ रहे हैं, या विनाश की ओर?

पिछले कुछ वर्षों को पलटकर देखिए।
कभी महामारी ने पूरी दुनिया को घरों में कैद कर दिया,
कभी भूकंप ने बसे-बसाए शहरों को मलबे में बदल दिया,
कभी बाढ़ गाँव और शहर बहा ले गई,
कहीं जंगल आग में जलते रहे, तो कहीं युद्ध ने मासूम बच्चों के
हाथों से उनका बचपन छीन लिया।

कोरोना आया तो पहली बार लगा—
जिस इंसान को अपनी ताकत और विज्ञान पर इतना घमंड था,
उसे एक अदृश्य वायरस ने चारदीवारी में बंद कर दिया।

पैसा बैंक में पड़ा था,
गाड़ियाँ पार्किंग में खड़ी थीं,
हवाई जहाज जमीन पर थे,
बड़े-बड़े बाजार बंद थे...।

और इंसान सिर्फ एक चीज माँग रहा था—
“हे भगवान, बस मेरी साँस बचा देना।”
महामारी से बाहर निकले तो लगा
अब शायद दुनिया फिर शांत होगी।

लेकिन कहाँ?

कहीं युद्ध की आग भड़क उठी,
कहीं मिसाइलें आसमान चीरने लगीं,
कहीं ड्रोन मंडराने लगे।

कहीं धरती काँप रही है,
कहीं पहाड़ टूट रहे हैं,
कहीं नदियाँ अपना रौद्र रूप दिखा रही हैं।

आखिर यह हो क्या रहा है?

क्या प्रकृति हमें कोई संदेश दे रही है?
या हमने ही प्रकृति की चेतावनियाँ सुनना बंद कर दिया है?

हमने जंगल काटे,
पहाड़ खोदे,
नदियों के रास्ते रोके,
धरती का सीना चीरकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए।

और फिर जब प्रकृति अपना रास्ता माँगती है,
तो हम कहते हैं—

“प्राकृतिक आपदा आ गई!”

लेकिन हर घटना को केवल “कलयुग” कहकर छोड़ देना भी
उचित नहीं।

हमें अपने आप से पूछना होगा—

इस तबाही में प्रकृति का कितना हिस्सा है
और इंसान की गलतियों का कितना?

आज हमारे पास विज्ञान है,
तकनीक है,
आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है,
आसमान छूती इमारतें हैं,
दुनिया को मिटा देने वाले हथियार हैं...।

पर क्या हमारे पास शांति है?

भयानक कलयुग: दुनिया में हाहाकार, आखिर कहाँ खो गया शांति और सुकून?

क्या हमारे पास सुकून है?

क्या हमारे पास इतना समय है
कि हम अपने परिवार के साथ बैठकर दो पल हँस सकें?

शायद नहीं।

हमने दुनिया से जुड़ने के लिए इंटरनेट बना लिया,
लेकिन अपने घर के लोगों से दूर हो गए।

हमने हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति को
वीडियो कॉल करना सीख लिया,
लेकिन पास बैठे माँ-बाप का चेहरा पढ़ना भूल गए।

हमने घर बड़े कर लिए,
दिल छोटे कर लिए।

सुविधाएँ बढ़ा लीं,
संतोष घटा लिया।

धन बढ़ा लिया,
सुकून खो दिया।

ज्ञान बढ़ा लिया,
मानवता कहीं पीछे छोड़ दी।

यही शायद आज के कलयुग की
सबसे भयावह तस्वीर है।

कलयुग केवल भूकंप, बाढ़, महामारी और युद्ध का नाम नहीं।

कलयुग शायद वह भी है—
जब इंसान की जान से ज्यादा जमीन की कीमत हो जाए।

जब रिश्तों से ज्यादा पैसा महत्वपूर्ण हो जाए।

जब धर्म इंसान को जोड़ने के बजाय लड़ाने लगे।

जब सत्ता के लिए खून बहने लगे।

जब माता-पिता जीवित हों
और बच्चों के पास उनके लिए समय न हो।

जब हजारों “फॉलोअर्स” हों
लेकिन दुःख सुनने वाला एक सच्चा दोस्त न हो।

और जब इंसान पूरी दुनिया जीतने निकल पड़े,
पर अपने मन को न जीत पाए।

आज जरूरत डरने की नहीं,
जागने की है।

प्रकृति से फिर दोस्ती करनी होगी।

पेड़ बचाने होंगे।
पानी बचाना होगा।
पहाड़ बचाने होंगे।
नदियाँ बचानी होंगी।

लेकिन इन सबसे पहले
इंसान के अंदर के इंसान को बचाना होगा।

युद्ध से कोई दुनिया नहीं जीतता।
एक पक्ष जीत भी जाए,
तो दूसरी तरफ किसी माँ का बेटा मरता है,
किसी बच्चे का पिता जाता है,
किसी पत्नी का सुहाग उजड़ता है।

इसलिए दुनिया को हथियारों से ज्यादा
संवाद की जरूरत है।

नफरत से ज्यादा
प्रेम की जरूरत है।

दौलत से ज्यादा
संतोष की जरूरत है।

और विकास से पहले
विवेक की जरूरत है।

वरना एक दिन आने वाली पीढ़ी हमसे पूछेगी—

***“आपने हमारे लिए पैसा तो बहुत कमाया,

ऊँची इमारतें भी बनाईं,
तकनीक भी दे दी...।
लेकिन हमारे रहने लायक शांत और सुरक्षित दुनिया कहाँ
छोड़ी?”**

उस दिन शायद हमारे पास कोई उत्तर नहीं होगा।

इसलिए अभी भी समय है।

रुकिए... सोचिए... और संभलिए।

प्रकृति को बचाइए।
परिवार को बचाइए।
रिश्तों को बचाइए।
मानवता को बचाइए।
और सबसे बढ़कर—

इस धरती की शांति को बचाइए।

क्योंकि याद रखिए—

पृथ्वी हमारे बिना भी रह सकती है,
लेकिन हम पृथ्वी के बिना नहीं।

और शायद आज समय हमसे केवल इतना ही कह रहा है—

हे मनुष्य! अब भी संभल जा...।

वरना अगली तबाही के बाद
पछताने के लिए भी बहुत कुछ बाकी नहीं रहेगा।”

गोपाल गावंडे की कलम से
संपादक-रंजीत टाइम्स



दिल की पाइप में हवा मत भरने देना...।

एक ही छत के नीचे रहते हैं,
फिर भी कितने दूर हो गए हैं हम,
चेहरे रोज दिखाई देते हैं,
पर दिल पढ़ना भूल गए हैं हम।

घर की पानी की टंकी
जब कभी पूरी खाली हो जाती है,
तो पाइपों में हवा भर जाती है,
पानी होते हुए भी
नल तक उसकी धार नहीं आ पाती है।

फिर हम क्या करते हैं?
घर के नल खोल देते हैं,
अंदर फँसी हवा को निकलने देते हैं,
कुछ देर आवाज होती है,
कुछ झटके लगते हैं...।
और फिर पानी सहज बहने लगता है।

शायद हमारा दिल भी
ऐसी ही एक पाइप है।

उसमें भी धीरे-धीरे
अनकही बातें भरती जाती हैं,
कुछ शिकायतें, कुछ दर्द,
कुछ गलतफहमियाँ, कुछ अधूरे सवाल,
कुछ आँसू जो आँखों तक नहीं आए,
और कुछ शब्द
जो होंठों तक आकर वापस लौट गए।

बस यही सब
दिल के अंदर की “हवा” बन जाता है।

और एक दिन
इंसान के पास सब कुछ होते हुए भी

वह भीतर से घुटने लगता है।

परिवार होता है,
बच्चे होते हैं,
माँ-बाप होते हैं,
भाई-बहन होते हैं,
दोस्त और रिश्तेदार होते हैं...।
फिर भी मन पूछता है—

“मेरी बात सुनने वाला कौन है?”

रिश्तों की भीड़ होना
और किसी का अपना होना,
दोनों अलग बातें हैं।

अपना वह नहीं
जो केवल तस्वीर में आपके साथ खड़ा हो,
अपना वह है
जिसके सामने आप बिना डर के कह सकें—

“आज मन ठीक नहीं है...।
थोड़ी देर मेरी बात सुनोगे?”

और वह बिना फैसला सुनाए,
बिना मजाक बनाए,
बिना आपकी कमजोरी को कल हथियार बनाए,
बस चुपचाप आपकी बात सुन ले।

कभी-कभी इंसान को
सलाह की जरूरत नहीं होती,
समाधान की भी जरूरत नहीं होती,
उसे सिर्फ एक ऐसा इंसान चाहिए
जिसके सामने वह अपना दिल खोल सके।

क्योंकि जब दिल का नल खुलता है,
तो अंदर जमा दर्द बाहर आता है,
मन हल्का होता है,
गलतफहमियों की हवा निकलती है
और रिश्तों में फिर से
प्यार की धार बहने लगती है।

इसलिए जिंदगी में
कम से कम दो ऐसे अपने जरूर कमना,
जिन्हें आधी रात को भी कह सको—

“मुझे तुमसे कुछ कहना है...”

और उतना ही जरूरी है
कि तुम भी किसी के लिए
वह इंसान बनो।

कोई तुम्हारे पास आए
तो मोबाइल एक तरफ रख देना,
उसकी आँखों में देखना,
उसकी पूरी बात सुनना...।
हो सकता है वह बातें नहीं,
अपने मन का बोझ उतार रहा हो।

बड़े मकान बनाने से पहले
दिलों के बीच रास्ते बनाइए,
कमरों को जोड़ने वाले दरवाजे तो बहुत हैं,
अब दिलों को जोड़ने वाले
दरवाजे भी खोलिए।

क्योंकि कई बार
एक घर में पानी की कमी नहीं होती,
बस पाइप में हवा भर जाती है...।

और कई बार
एक परिवार में प्यार की कमी नहीं होती,
बस बातचीत रुक जाती है।

नल खोलोगे तो हवा निकलेगी,
दिल खोलोगे तो गलतफहमियाँ निकलेंगी।

और फिर देखना—

वही परिवार,
वही लोग,
वही घर...।

लेकिन रिश्तों में
फिर से प्यार बहने लगेगा।

दिल की बात दिल तक पहुँचने दीजिए,
अपने लोगों को बोलने दीजिए...।
और कभी-कभी सिर्फ सुन लीजिए।

क्योंकि इस दुनिया में
बोलने वाले बहुत मिल जाते हैं,
लेकिन किसी के दिल का बोझ
चुपचाप सुन लेने वाले
बहुत कम मिलते हैं।

“जिंदगी में दो ऐसे इंसान जरूर रखिए,

जिनसे आप दिल की बात कह सकें...।
और खुद भी किसी के उन दो इंसानों में से एक
बनिए।”

गोपाल गावंडे की कलम से

इंदौर के लसुड़िया थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा: नशे में धुत कार चालक ने चौकीदार को कुचला, बुधवार रात हुई मौत

इंदौर: इंदौर के लसुड़िया थाना क्षेत्र स्थित ला एग्जाटिका कॉलोनी (बायपास) के पास बुधवार रात एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना सामने आई है। नशे की हालत में तेज रफ्तार कार चला रहे एक युवक ने चौकीदार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में चौकीदार की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना का विवरण-पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक चौकीदार मूल रूप से कन्नौद के खातेगांव का रहने वाला था। बुधवार रात को आरोपी राजा कुमावत (पिता केदार कुमावत) अपनी महिला मित्र के साथ स्कोडा की ग्लैंजा कार में सवार होकर वहां पहुंचा था। आरोप है कि चालक अत्यधिक नशे की हालत में था और उसने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए चौकीदार को कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि चौकीदार की मौके पर ही मौत हो गई।

वायरल वीडियो और महिला मित्र



का बयान- हादसे के बाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सामने आए इस वीडियो में दुर्घटना स्थल पर आरोपी राजा कुमावत और उसकी महिला मित्र दोनों नजर आ रहे हैं। वीडियो में कार में मौजूद महिला मित्र खुद ही घटना की जिम्मेदारी लेते हुए नजर आ रही है, जिससे इस पूरे मामले में कई सवाल खड़े हो गए हैं और चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पुलिस की कार्रवाई- घटना की सूचना मिलते ही लसुड़िया थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मुख्य आरोपी राजा कुमावत महिला मित्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है पुलिस वायरल वीडियो, महिला मित्र के बयान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि हादसे के वक्त गाड़ी वास्तव में कौन चला रहा था और इसके पीछे की असल सच्चाई क्या है।

आधुनिक समय की आवश्यकता है सहजयोग

बदलाव उन्नति को दर्शाता है, जिस प्रकार समय के साथ- साथ मानव जीवन-शैली में बदलाव आया है उसी प्रकार समय के साथ- साथ प्रकृति को भी बदलाव करने पड़ते हैं। धरती पर अवतरित हुए सभी अवतरणों ने इस बदलाव की आवश्यकता को अपने- अपने तरीकों से एवं समय जिस प्रकार के तरीकों की मांग करता है उन तरीकों से मनुष्य को सही पथ पे चलने के लिए प्रेरित किया है। सभी के तरीके भले ही भिन्न थे परंतु संदेश एक ही था। इसी विषय पर पर प्रकाश डालते हुए सहजयोग की संस्थापिका श्री माता जी निर्मला देवी जी कहते हैं कि आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है सहजयोग। श्री माता जी साधकों को संबोधित करते हुए समझाते हैं कि प्राचीन काल से चले आ रहे हठयोग, राजयोग आदि उस प्राचीन समय की आवश्यकता थे पर क्योंकि अब मानव विकसित होने की चरम सीमा पर है तो उसे इस बदलाव से मित्रता कर आधुनिक समय की मांग को समझ कर खुद पर कार्य करना होगा, स्वयं को समझना होगा। जो शुद्धता मानव प्राचीन काल में अपने



घरों से एवं संबंधियों से दूर रह कर कड़ी तपस्या करने से प्राप्त करता था ताकि वह परमात्मा के प्रेम शक्ति की अनुभूति कर सके, आज के समय में वह शुद्धता, चैतन्य की सतर्कता एवं परमात्मा की प्रेम शक्ति को कुंडलिनी जागरण की सहायता से क्षण भर में अपने सूक्ष्म तंत्र पर महसूस कर सकता है। कुंडलिनी जागरण श्री माता जी के द्वारा दी गई मानवता को एक ऐसी भेंट है जिसने मानव की सत्य-खोज को एक सुंदर आयाम प्रदान किया है। आज के समय विश्व भर में फैला हुआ सहजयोग करोड़ों में सत्य के साधकों द्वारा अपनाया गया है एवं उन सभी ने इस सुंदर अनुभव को अपने अंदर एक सुंदर बदलाव के रूप में देखा है।

सहजयोग का प्रथम चरण ही कुंडलिनी जागरण है, जिसकी सहायता से मनुष्य का संबंध परमात्मा की सर्वव्यापी प्रेम शक्ति से हो जाता है और वह सुंदर प्रेम से प्लावित हो जाता है। सभी पौराणिक ग्रंथों में कुंडलिनी जागरण एवं सहजयोग की परिभाषा का वर्णन किया गया है। यदि मनुष्य ही निर्वाज्य प्रेम से भर जाएगा तो विश्व में हो रही धन और सत्ता की अंधी लड़ाई को खत्म कर केवल आपसी प्रेम की भावना रखेगा और इसी प्रकार पूरा विश्व हर भेदभाव को भुलाकर एक हो जाएगा। यही सपना श्री माता जी ने अपनी आँखों में लिए विश्व भर में यात्राएं की और साधकों की कुंडलिनी जागृत की तथा उसी प्रेम के धागे से सभी सहजयोगियों को बांध एक सुंदर विश्व स्थापित करने का संदेश मनुष्य को दिया। यदि आप भी कुंडलिनी जागरण का अनुभव करना चाहते हैं या फिर सहजयोग के बारे में अधिक जानकारी टॉल फ्री नम्बर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निःशुल्क है

फोर लेन स्वीकृति पर आतिशबाजी का जश्न
चमन चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई बाँटकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधायक मनोज पटेल का आभार जताया

राजगीत टाइम्स
ranjeettimes.com

देपालपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में देपालपुर-इंदौर सड़क मार्ग को फोर लेन बनाने की ऐतिहासिक स्वीकृति प्रदान की गई। इस निर्णय से क्षेत्र के आवागमन, व्यापार और विकास को नई दिशा मिलेगी। स्वीकृति के उपलक्ष्य में गुरुवार शाम चमन चौराहा, देपालपुर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी एवं मिठाई वितरण कर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विधायक मनोज पटेल का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि महेश पुरी, उपाध्यक्ष गोपाल कटसिया, मुकेश



जैन, सांसद प्रतिनिधि अजय आहूजा, विधायक प्रतिनिधि ईश्वरी शर्मा, वरिष्ठ पार्षद विमल यादव दीनदयाल चौबे दिलीप यादव पवन गोस्वामी जितेंद्र वैष्णव सतीश मारू सुनील ठाकुर घनश्याम मालवीय, विकास चौहान

मीडिया प्रभारी भारत तंवर सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्थानीय नागरिकों ने इस निर्णय को क्षेत्र के लिए “विकास की नई उड़ान” बताते हुए हर्ष व्यक्त किया।

सावन माह में गूंजा हरि नाम जाप एक माह के अखंड कीर्तन की पूर्णाहुति

शिव समिति वार्ड क्रमांक 45 नौगढ़ का धार्मिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न- 30 अगस्त को होगा विशाल भंडारा

राजगीत टाइम्स
ranjeettimes.com

सिंगरौली। वार्ड क्रमांक 45 नौगढ़ स्थित शिव मंदिर में शिव समिति के तत्वावधान में सावन माह के पावन अवसर पर एक माह के अखंड श्रीहरि कीर्तन एवं हरि नाम जाप का संकल्प लिया गया था। धार्मिक आयोजन का शुभारंभ 28 जुलाई को हुआ था, जिसका आज 28 अगस्त को विधिवत पूर्णाहुति के साथ सफल समापन किया गया। पूरे एक माह तक चले इस धार्मिक आयोजन में समस्त ग्रामवासियों, क्षेत्रवासियों एवं शिव भक्तों ने श्रद्धा, सेवा और भक्ति भाव के साथ बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। अखंड हरि कीर्तन, पाठ एवं भजन-गायन से पूरा क्षेत्र भक्तिमय बना रहा।

30 अगस्त को विशाल भंडारे का आयोजन-सावन माह के इस पावन संकल्प की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य में 30 अगस्त, रविवार को शिव मंदिर नौगढ़, वार्ड क्रमांक 45 में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। शिव समिति एवं समस्त ग्रामवासियों ने सिंगरौली सहित आसपास के क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं एवं शिव भक्तों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में मंदिर पहुंचकर महाप्रसाद ग्रहण करें और भगवान शिव की कृपा एवं आशीर्वाद प्राप्त करें। समस्त ग्रामवासियों का रहा विशेष

योगदान- इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्रद्धालुओं ने तन-मन-धन से सेवा करते हुए एक माह के अखंड कीर्तन के



संकल्प को सफल बनाया। निवेदक- वार्ड क्रमांक 45 के पार्षद रामगोपाल पाल एवं समस्त ग्रामवासी, नौगढ़।

बच्चियों के बीच पहुंचे कलेक्टर शिवम वर्मा, राखी बंधवाकर मनाया रक्षाबंधन

राजकीय बाल संरक्षण आश्रम में बच्चियों के साथ साझा की पर्व की खुशियां, उपहार भेंट कर दिया स्नेह और अपनत्व का संदेश

राजगीत टाइम्स
ranjeettimes.com

इंदौर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर इंदौर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने राजकीय बाल संरक्षण आश्रम, छावनी पहुंचकर बच्चियों के साथ आत्मीयता से रक्षाबंधन पर्व मनाया। कलेक्टर को अपने बीच पाकर बच्चियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कलेक्टर श्री वर्मा ने बच्चियों के साथ बैठकर राखी बंधवाई और उनके साथ पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान उन्होंने बच्चियों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उन्हें स्नेह एवं अपनत्व का भाव दिया।

उपहार भेंट कर बढ़ाया बच्चियों का उत्साह- रक्षाबंधन के अवसर पर कलेक्टर श्री वर्मा ने बच्चियों को उपहार भी भेंट किए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उपहार पाकर बच्चियों में खासा उत्साह देखने को



मिला। आश्रम परिसर में रक्षाबंधन का पर्व खुशी और आत्मीयता के वातावरण में मनाया गया।

सुरक्षा और सम्मान का दिया संदेश- कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि समाज में स्नेह, सुरक्षा, सम्मान और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने

कहा कि बाल संरक्षण आश्रम में रह रही बच्चियों को बेहतर वातावरण, सुरक्षा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर के इस आत्मीय पहल की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी, आश्रम का स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

लंपी वायरस ने शिवपुरी जिले में दी दस्तक अस्पतालों में नहीं है वैक्सीनेशन

राजगीत टाइम्स
ranjeettimes.com

शिवपुरी - जिले के जनपद पंचायत करैरा के ग्राम टकटकी में किसान लखन सिंह लोधी की गाय को लंपी वायरस हो गया है जिससे कई दिनों से गाय कुछ खा नहीं रही है और ना दूध दे रही है करैरा क्षेत्र में गोवंश को लंपी स्किन डिजीज से बचाने को लेकर पशुपालकों को सतर्क रहने की जरूरत है। लंपी वायरस एक संक्रामक वायरल बीमारी है, जिसमें गायों के शरीर पर गांठें और घाव दिखाई देने के साथ बुखार जैसे लक्षण भी सामने आ रहे हैं। यह बीमारी मुख्य रूप से मच्छर, मकखी और टिक जैसे खून चूसने वाले कीटों के माध्यम से फैल सकती है।

लंपी वायरस जैसे लक्षण यदि किसी गाय के शरीर पर अचानक गोल या उभरी हुई गांठें दिखाई दें, बुखार हो या पशु खाना-पीना कम कर दे तो उसे तुरंत अन्य पशुओं से अलग रखना चाहिए। संक्रमित पशु को खुले में अन्य पशुओं के साथ रखने से संक्रमण फैलने का



खतरा बढ़ सकता है। पशुपालकों से अपील की गई है कि वे अपने पशुओं की नियमित निगरानी करें, साफ-सफाई रखें और मच्छर-मकखियों की रोकथाम पर विशेष ध्यान दें। बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर घरेलू उपचार के भरोसे न रहें और नजदीकी पशु चिकित्सक से सलाह लें। लंपी से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण और संक्रमित पशु को अलग रखना महत्वपूर्ण उपाय है। लेकिन शिवपुरी सहित करैरा और दिनारा के पशु अस्पतालों में लंपी वायरस का वैक्सीनेशन नहीं है। अगर समय रहते गायों को वैक्सीनेशन नहीं किया गया तो यह बीमारी पूरी तरह से क्षेत्र में फैल जायेगी।

राम मंदिर के चढ़ावे पर सवाल आस्था के धन का हिसाब आखिर किसके पास ?

राजगीत टाइम्स
ranjeettimes.com

राम मंदिर केवल पत्थरों से बना कोई भवन नहीं है। यह करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और भावनाओं का प्रतीक है। देश-दुनिया के श्रद्धालुओं ने मंदिर निर्माण और उससे जुड़े कार्यों के लिए अपनी क्षमता के अनुसार धन दिया। किसी ने बड़ी राशि दी, तो किसी ने अपनी छोटी-सी बचत से योगदान किया। इसलिए राम मंदिर के चढ़ावे और उससे जुड़े धन पर उठने वाला हर सवाल सामान्य आर्थिक विवाद नहीं है—यह सीधे श्रद्धालुओं के विश्वास से जुड़ा

मामला है। अब पूर्व महासचिव चंपत राय की डायरी में दर्ज कथित विवरण ने इस पूरे प्रकरण को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। डायरी में 25 दिनों तक लगातार दुष्प्रचार चलने और व्यक्तिगत जीवन को निशाना बनाए जाने का उल्लेख बताया जा रहा है। चंदा चोरी के खुलासे के पहले दिन चार घंटे की पूछताछ का जिक्र भी सामने आया है। यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं होना चाहिए कि किसने किस पर आरोप लगाया। असली सवाल यह है कि चढ़ावे का पैसा कहां से आया, किसके पास रहा, किस खाते में गया, किस उद्देश्य से खर्च हुआ और उसका पूरा लेखा-जोखा किस स्तर पर

जांचा गया? मंदिर से जुड़े आर्थिक मामलों में पारदर्शिता कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी है। श्रद्धालु जब दान करता है तो वह यह उम्मीद करता है कि उसकी राशि निर्धारित उद्देश्य के लिए ही इस्तेमाल होगी। इसलिए यदि कहीं वित्तीय अनियमितता का आरोप सामने आता है, तो जांच का रास्ता बंद करने के बजाय उसे और मजबूत किया जाना चाहिए।

दूसरा गंभीर प्रश्न है—क्या किसी आरोप का जवाब व्यक्तिगत आरोपों से दिया जाना चाहिए? यदि किसी व्यक्ति के निजी जीवन को निशाना बनाया गया, तो वह भी गलत है।

जन-धन योजना के 12 साल पूरे 59 करोड़ खातों में जमा हुए 3.17 लाख करोड़

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। देश में वित्तीय समावेशन की तस्वीर बदलने वाली प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं। 28 अगस्त 2014 को शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 59 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं और इन खातों में कुल जमा राशि बढ़कर 3.17 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई है। वित्त मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, जन-धन खातों का बड़ा हिस्सा ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में है। करीब 78 प्रतिशत खाते ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में हैं, जबकि लगभग 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम पर हैं।

यानी योजना ने बैंकिंग व्यवस्था से दूर रहे वर्गों, खासकर ग्रामीण परिवारों और महिलाओं को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है। 19 अगस्त 2026 तक एक जन-धन खाते में औसतन 5,356 रुपये जमा थे। पिछले 12 वर्षों में प्रति खाते औसत जमा में लगभग 3.4 गुना वृद्धि हुई है। सरकार इसे खातों के बढ़ते इस्तेमाल और लोगों में बचत की



आदत मजबूत होने का संकेत मान रही है। जन-धन खाते में न्यूनतम राशि रखने की अनिवार्यता नहीं है। खाताधारकों को रुपे कार्ड, दुर्घटना बीमा और पात्रता के अनुसार ओवरड्राफ्ट जैसी सुविधाएं मिलती हैं। ये खाते प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के लिए भी महत्वपूर्ण माध्यम बने हैं, जिससे सरकारी योजनाओं की राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाई जा सकती है। 12 साल बाद जन-धन योजना सिर्फ बैंक खाता खोलने का अभियान नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने का बड़ा माध्यम बन चुकी है।

चांदी की शुद्धता जांच अब आसान, 102 जिलों में 341 हॉलमार्किंग केंद्र

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। चांदी खरीदने वाले ग्राहकों के लिए बड़ी खबर है। भारतीय मानक ब्यूरो ने चांदी की गुणवत्ता और शुद्धता जांच की सुविधा का दायरा बढ़ाते हुए अब 102 जिलों में 341 परख एवं हॉलमार्किंग केंद्र उपलब्ध करा दिए हैं। इससे ग्राहकों और कारोबारियों को चांदी के आभूषणों की शुद्धता प्रमाणित कराने की सुविधा पहले से ज्यादा आसानी से मिल सकेगी। चांदी के आभूषणों के लिए एचयूआईडी आधारित हॉलमार्किंग 1 सितंबर 2025 से स्वैच्छिक रूप से लागू है। संशोधित मानक के तहत चांदी के आभूषणों पर भारतीय मानक ब्यूरो का चिह्न, शुद्धता श्रेणी और छह अंकों का विशिष्ट पहचान क्रमांक दर्ज किया जाता है। ग्राहक इस पहचान क्रमांक के जरिए आभूषण की शुद्धता और हॉलमार्किंग से जुड़ी जानकारी की जांच कर सकते हैं।

नई व्यवस्था में चांदी के लिए 800,



835, 925, 958, 970, 990 और 999 शुद्धता श्रेणियां निर्धारित हैं। भारतीय मानक ब्यूरो के अनुसार 2024-25 में 32 लाख से अधिक चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग की गई थी। खरीदारी के समय ग्राहक को हॉलमार्क और एचयूआईडी देखकर ही चांदी की वस्तु खरीदनी चाहिए। बिल जरूर लें और एचयूआईडी की जानकारी भारतीय मानक ब्यूरो के देखभाल अनुप्रयोग से जांचें। इससे कम शुद्धता वाली चांदी को अधिक शुद्ध बताकर बेचने की आशंका कम होगी। चांदी की खरीद में अब सिर्फ चमक नहीं, शुद्धता का प्रमाण भी जरूरी है।

फोसेको इंडिया में ब्रिटिश कंपनी की हिस्सेदारी बिक्री, महाराष्ट्र के किसानों को 382 करोड़ की कर्ज राहत

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मुंबई। महाराष्ट्र से जुड़ी दो अहम आर्थिक खबरें शुक्रवार को चर्चा में हैं। एक ओर फोसेको इंडिया में विदेशी प्रवर्तक समूह ने अपनी पूरी हिस्सेदारी बेच दी, वहीं दूसरी ओर राज्य में किसानों को कर्ज के बोझ से राहत देने के लिए करोड़ों रुपये की सहायता जारी की गई है। फोसेको इंडिया में 15.26% हिस्सेदारी बिक्री-27 अगस्त के बाजार सौदों के अनुसार, मॉर्गन एडवांस्ड मैटेरियल्स से जुड़े मॉर्गन टेरासेन बी.वी. ने फोसेको इंडिया की 7.43% हिस्सेदारी करीब 330.26 करोड़ में बेची। मॉर्गनाइट क्रूसिबल ने भी 7.84% हिस्सेदारी करीब 348.36 करोड़ में बेच दी। दोनों सौदों की कुल कीमत लगभग 678.62 करोड़ रही। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि फोसेको इंडिया ने पहले मॉर्गनाइट क्रूसिबल (इंडिया) की 75% हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया था और नवंबर 2025 में सौदा पूरा हुआ था। किसानों के लिए 382 करोड़ की राहत-महाराष्ट्र सरकार की किसान कर्जमाफी योजना के तहत राहत राशि जारी करने का सिलसिला जारी है। 24 अगस्त को सरकार ने योजना की दूसरी किस्त के रूप में 7,086 करोड़ जारी करने की घोषणा की थी। ऐसे में 382 करोड़ की कर्ज राहत किसानों के लिए तत्काल आर्थिक सहारा है, लेकिन असली सवाल यह है कि कर्जमाफी का लाभ कितने किसानों तक पहुंचा और कितने किसान अभी भी संस्थागत कर्ज के बोझ में हैं।

भारत-कनाडा आर्थिक संवाद: व्यापार से आगे बढ़ी साझेदारी, निवेश-यूपीआई से खनिज तक बनी सहमति

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के रिश्तों में आर्थिक मोर्चे पर नई शुरुआत होती दिख रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शापेन के बीच पहली आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता में दोनों देशों ने व्यापार बढ़ाने के साथ निवेश, वित्तीय क्षेत्र, डिजिटल भुगतान और महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ तक पहुंचाने की साझा महत्वाकांक्षा दोहराई। सबसे अहम मुद्दों में द्विपक्षीय निवेश संधि शामिल रही। भारत ने जल्द से जल्द इस पर बातचीत शुरू करने की तैयारी जताई है। यह



समझौता दोनों देशों के निवेशकों को अधिक स्पष्टता और सुरक्षा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बातचीत सिर्फ पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं रही। दोनों पक्षों ने भारत के यूपीआई और कनाडा की भुगतान व्यवस्था के

बीच संभावित सहयोग, डिजिटल वित्तीय ढांचे, बैंकिंग और वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में साझेदारी पर भी चर्चा की। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन, विद्यार्थियों और छोटे कारोबारों के लिए सीमा-पार भुगतान आसान और कम खर्चीला बनाने की संभावना है। इसके अलावा महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, पूंजी बाजार और कनाडाई संस्थागत निवेश भी एजेंडे में रहे। सीतारमण ने कनाडाई निवेशकों को भारत की आर्थिक वृद्धि, बढ़ते बाजार और गिफ्ट सिटी में निवेश के अवसरों की ओर आकर्षित किया। यह

बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत-कनाडा संबंधों में हाल के वर्षों की कूटनीतिक खटास के बाद अब दोनों देश व्यापार से आगे दीर्घकालीन आर्थिक साझेदारी की जमीन तैयार कर रहे हैं।

एचडीएफसी समूह को बड़ा झटका: एक साल में 4.38 लाख करोड़ की बाजार पूंजी साफ, अमेरिकी मुकदमे से बढ़ी चिंता

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कभी भरोसे का दूसरा नाम माने जाने वाले एचडीएफसी समूह के लिए पिछला एक साल बेहद चुनौतीपूर्ण रहा है। समूह की चार सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में करीब 4.38 लाख करोड़ की कमी आई है। इसमें सबसे बड़ा नुकसान एचडीएफसी बैंक का रहा, जिसकी बाजार पूंजी लगभग 15

लाख करोड़ से घटकर करीब 11 लाख करोड़ रह गई। बैंक के शेयर में करीब 26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। अब अमेरिकी अदालत में दायर प्रतिभूति संबंधी सामूहिक मुकदमे ने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बैंक ने महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम से जुड़े करीब 45 करोड़ के भुगतान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी निवेशकों से छिपाई और भुगतान को विपणन खर्च के रूप

में दर्ज किया गया। यह मामला न्यूयॉर्क की संघीय अदालत में दायर हुआ है। बैंक ने इन आरोपों को निराधार बताया है और कहा है कि वह मामले का मजबूती से बचाव करेगा।

27 अगस्त को एचडीएफसी बैंक का शेयर करीब 2.37 प्रतिशत गिरकर ढाई साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। रॉयटर्स के अनुसार 2026 में अब तक शेयर करीब 25 प्रतिशत नीचे है। बैंक के नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अनिश्चितता और

अक्टूबर में मुख्य कार्यकारी अधिकारी शशिधर जगदीशन का कार्यकाल समाप्त होना भी निवेशकों की चिंता बढ़ा रहा है। हालांकि, अमेरिकी मुकदमा अपने आप में दोष सिद्ध होने का प्रमाण नहीं है। आगे अदालत की कार्रवाई और बैंक की कानूनी प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल बड़ा सवाल यही है—क्या एचडीएफसी समूह इस भरोसे के संकट से जल्दी बाहर निकल पाएगा, या शेयरों पर दबाव अभी और जारी रहेगा?

साइनबोर्ड हटाने पर सियासी संग्राम, अभिषेक के दफ्तर में पुलिस से भिड़ी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के कैमैक स्ट्रीट स्थित कार्यालय से पार्टी का साइनबोर्ड हटाने को लेकर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक टकराव तेज हो गया है। 27 अगस्त को कोलकाता नगर निगम और पुलिस की टीम कथित तौर पर अनधिकृत बताए गए टीएमसी के बड़े बोर्ड को हटाने पहुंची। कार्रवाई के दौरान कार्यालय परिसर में पुलिस, निगम अधिकारियों और टीएमसी नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई।



मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ'ब्रायन सीढ़ियों पर गिर पड़े। ओ'ब्रायन ने आरोप लगाया कि 150 से अधिक पुलिसकर्मी बिना अनुमति इमारत में दाखिल हुए। हालांकि घटनाक्रम को लेकर पुलिस और टीएमसी के दावों में अंतर है और पूरे मामले की परिस्थितियां जांच के दायरे में हैं। अभिषेक बनर्जी ने कार्रवाई को राजनीतिक बदले की

कार्रवाई बताया और अधिकारियों से आदेश की वैधता पर सवाल उठाए। दूसरी ओर, नगर निगम का कहना है कि कार्रवाई कथित अवैध होर्डिंग/बिलबोर्ड को हटाने के लिए की गई थी। कार्रवाई के बाद मामले में प्राथमिकी और गिरफ्तारियों की भी खबर सामने आई है। इस पूरे घटनाक्रम ने बंगाल की राजनीति में एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है—क्या यह सामान्य नगर निगम कार्रवाई थी या राजनीतिक टकराव का नया मोर्चा? साइनबोर्ड हटाने की कार्रवाई अब कानून-व्यवस्था और राजनीतिक अधिकारों की बहस में बदल गई है।

क्रेडिट कार्ड का लालच, खाते पर डाका: बैंक कर्मचारी बनकर महिला से दो बार ओटीपी लिया, 98 हजार पार

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

इंदौर। साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड की सुविधा और शुल्क माफ कराने का झांसा देकर कनाड़िया क्षेत्र की एक महिला को निशाना बनाया। आरोपी ने खुद को एक्सिस बैंक का कर्मचारी बताया और कार्ड की वार्षिक फीस माफ करने के साथ 5,500 रुपये का बोनस दिलाने का लालच दिया। इसके बाद बातचीत के दौरान महिला से कार्ड की गोपनीय जानकारी हासिल कर ली। ठग ने पहले महिला से क्रेडिट कार्ड के 16 अंकों का नंबर और समाप्ति तिथि पूछी। इसके बाद मोबाइल पर आया ओटीपी भी हासिल कर लिया। ओटीपी बताते ही कार्ड से 49 हजार रुपये का लेनदेन



हो गया। महिला ने जब रकम कटने की बात कही तो आरोपी ने उसे भरोसा दिलाया कि यह प्रक्रिया का हिस्सा है और पैसा वापस आ जाएगा। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने दूसरी बार भी ओटीपी हासिल किया। इसके बाद फिर 49 हजार रुपये निकाल लिए गए। यानी दो लेनदेन में कुल 98

हजार रुपये की चपत लग गई। आरोपी ने तीसरी बार 36 हजार रुपये निकालने की कोशिश भी की, लेकिन कार्ड की दैनिक सीमा पूरी होने के कारण लेनदेन सफल नहीं हो सका। ठगी का एहसास होने पर महिला ने परिवार को जानकारी दी और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कनाड़िया पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात कॉलर के खिलाफ मामला दर्ज कर मोबाइल नंबर, लेनदेन और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच शुरू कर दी है।

सबक साफ है—बैंक कर्मचारी बनकर फोन करने वाला कोई भी व्यक्ति ओटीपी, सीवीवी, कार्ड नंबर या अन्य गोपनीय जानकारी मांगे तो तुरंत फोन काट दें।

कटनी जमीन मामले में एसआईटी की दबिश, हनफी के घर मिला ताला

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

कटनी के बहुचर्चित जमीन सौदा मामले में जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, आरोपियों पर शिकंजा भी कसता दिखाई दे रहा है। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को नामजद आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दी। इस दौरान कांग्रेस नेता मारुफ अहमद हनफी के घर पर ताला मिला। एसआईटी ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई। तीनों नामजद आरोपी फिलहाल पुलिस की पकड़ से बाहर बताए जा रहे हैं। इस मामले में तत्कालीन नगर पुलिस अधीक्षक नेहा

पच्चीसिया, क्षितिज राज बारापात्रे और मारुफ अहमद हनफी के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। पुलिस जांच के बाद मामले की विवेचना आठ सदस्यीय एसआईटी को सौंपी गई है। आरोप है कि कंहवारा क्षेत्र में हत्या के एक आरोपी के परिवार की जमीन को दबाव बनाकर कथित तौर पर वास्तविक कीमत से काफी कम रकम में रजिस्ट्री कराया गया। रिपोर्टों के अनुसार जमीन की मार्गदर्शिका कीमत करीब 82.86 लाख रुपये बताई गई, जबकि रजिस्ट्री करीब 18.20 लाख रुपये में होने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर पच्चीसिया को निलंबित किया जा चुका है।

जेल की सलाखों के बीच बंधी राखी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

आलीराजपुर। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे की सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। इसी भावना के साथ शुक्रवार को आलीराजपुर जिले के जोबट जेल में रक्षाबंधन का पर्व भावुक माहौल में मनाया गया। जेल की चारदीवारी और कड़ी सुरक्षा के बीच बहनों को अपने बंदी भाइयों की कलाई पर राखी बांधने का अवसर मिला।

इस दौरान भाई-बहन के मिलन का दृश्य भावुक कर देने वाला रहा। जेलर उज्ज्वला वाघमरे ने बताया कि बड़वानी जिला जेल के आदेश के अनुसार जोबट जेल में 122 बंदी-कैदियों के लिए रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत बहनें जेल पहुंचीं और अपने भाइयों को राखी बांधी।

लंबे समय बाद भाइयों से मिलने पहुंची कई



बहनों के लिए यह पल बेहद खास और भावुक रहा। बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर राखी बांधकर उनके अच्छे भविष्य की कामना की। इस दौरान कई बहनों की आंखें नम हो गईं। जेल की परिस्थितियों के बीच भी भाई-बहन के रिश्ते की भावनाएं साफ दिखाई दीं। बहनों ने अपने भाइयों को हिम्मत दी और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

रक्षाबंधन के इस मौके पर बहनों ने भाइयों से

केवल राखी की लाज रखने का वचन ही नहीं लिया, बल्कि उन्हें अपराध की राह छोड़कर सामान्य और बेहतर जीवन जीने की अपील भी की। बहनों ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद वे दोबारा किसी गलत गतिविधि में शामिल न हों और परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन बिताएं। उन्होंने भाइयों से अपने बच्चों और परिवार के भविष्य के बारे में सोचने की भी अपील की। वहीं, भाइयों ने भी अपनी बहनों को भरोसा दिलाया कि वे भविष्य में गलत रास्ते से दूर

रहने का प्रयास करेंगे। उन्होंने अपने जीवन को नई दिशा देने और परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने का संकल्प लिया। इस दौरान कई भाई-बहनों के बीच लंबे समय बाद मुलाकात हुई, जिससे माहौल भावुक हो गया। जेल में आयोजित यह रक्षाबंधन कार्यक्रम इस बात का उदाहरण बना कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, भाई-बहन के रिश्ते की भावनाएं कभी खत्म नहीं होतीं। जेल की सलाखों के बीच बहन के हाथों बंधी राखी ने बंदियों को अपने परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास कराया। जोबट जेल में रक्षाबंधन का यह आयोजन केवल एक धार्मिक पर्व तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें सुधार और नई शुरुआत का संदेश भी दिखाई दिया। राखी के धागे ने भाइयों को परिवार से जुड़े रहने और भविष्य में गलत रास्ते से दूर रहने की प्रेरणा दी। बहनों की भावनाओं और भाइयों के संकल्प के बीच यह आयोजन रिश्तों की मजबूती के साथ बेहतर जीवन की उम्मीद का भी प्रतीक बन गया।